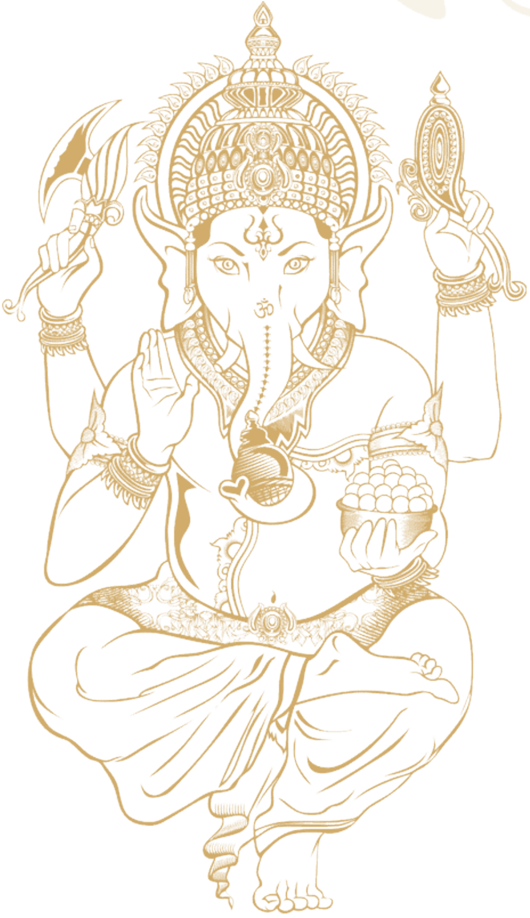

Surbhi

05 Apr 1997

01:14 PM

Abohar

Model: web-freekundliweb

Order No: 120956406

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**05/04/1997**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:14:00 घंटे**
इष्ट	17:19:12 घटी
स्थान	**Abohar**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:09:00 उत्तर
रेखांश	74:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:40:44 घंटे
वेलान्तर	-00:02:44 घंटे
साम्पातिक काल	01:35:21 घंटे
सूर्योदय	06:18:19 घंटे
सूर्यास्त	18:54:12 घंटे
दिनमान	12:35:53 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	21:44:52 मीन
लग्न के अंश	09:31:23 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुक्ल
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:31:23	304:21:44	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मीन	21:44:52	00:59:05	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	22:12:53	14:50:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल	व		सिंह	26:10:04	00:17:06	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
बुध			मेष	10:46:23	01:02:32	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
गुरु			मक	21:56:56	00:10:17	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	नीच राशि
शुक्र		अ	मीन	22:27:01	01:14:27	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	17:06:23	00:07:31	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
राहु			कन्या	04:54:06	00:00:39	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	04:54:06	00:00:39	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	14:16:07	00:01:49	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:56:41	00:00:52	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चिक	11:34:15	00:00:53	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	01:53:32	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:07

लग्न-चलित

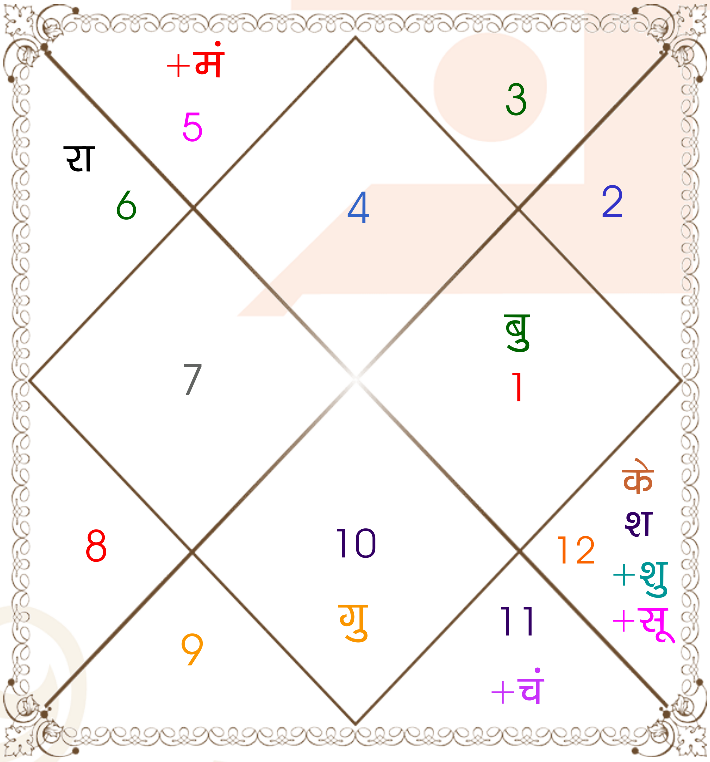

चन्द्र कुंडली

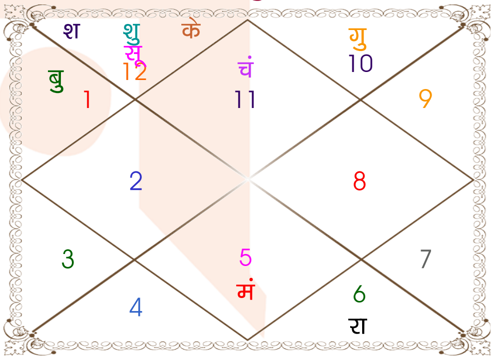

नवमांश कुंडली

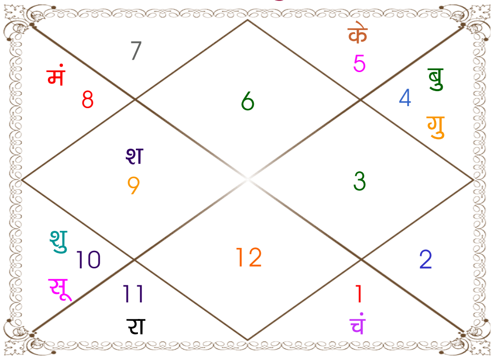

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 4 मास 3 दिन

गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष
05/04/1997	**08/08/2010**	**08/08/2029**	**08/08/2046**	**08/08/2053**
08/08/2010	**08/08/2029**	**08/08/2046**	**08/08/2053**	**08/08/2073**
05/04/1997	शनि 11/08/2013	बुध 05/01/2032	केतु 04/01/2047	शुक्र 08/12/2056
शनि 09/04/1999	बुध 20/04/2016	केतु 01/01/2033	शुक्र 06/03/2048	सूर्य 08/12/2057
बुध 15/07/2001	केतु 30/05/2017	शुक्र 02/11/2035	सूर्य 11/07/2048	चंद्र 09/08/2059
केतु 21/06/2002	शुक्र 30/07/2020	सूर्य 07/09/2036	चंद्र 09/02/2049	मंगल 08/10/2060
शुक्र 19/02/2005	सूर्य 12/07/2021	चंद्र 07/02/2038	मंगल 09/07/2049	राहु 08/10/2063
सूर्य 08/12/2005	चंद्र 10/02/2023	मंगल 04/02/2039	राहु 27/07/2050	गुरु 08/06/2066
चंद्र 09/04/2007	मंगल 21/03/2024	राहु 23/08/2041	गुरु 03/07/2051	शनि 08/08/2069
मंगल 15/03/2008	राहु 26/01/2027	गुरु 29/11/2043	शनि 11/08/2052	बुध 08/06/2072
राहु 08/08/2010	गुरु 08/08/2029	शनि 08/08/2046	बुध 08/08/2053	केतु 08/08/2073

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
08/08/2073	**09/08/2079**	**08/08/2089**	**08/08/2096**	**09/08/2114**
09/08/2079	**08/08/2089**	**08/08/2096**	**09/08/2114**	**00/00/0000**
सूर्य 26/11/2073	चंद्र 08/06/2080	मंगल 04/01/2090	राहु 21/04/2099	गुरु 26/09/2116
चंद्र 27/05/2074	मंगल 07/01/2081	राहु 23/01/2091	गुरु 15/09/2101	शनि 06/04/2117
मंगल 02/10/2074	राहु 09/07/2082	गुरु 30/12/2091	शनि 22/07/2104	00/00/0000
राहु 27/08/2075	गुरु 08/11/2083	शनि 06/02/2093	बुध 08/02/2107	00/00/0000
गुरु 14/06/2076	शनि 08/06/2085	बुध 04/02/2094	केतु 26/02/2108	00/00/0000
शनि 27/05/2077	बुध 08/11/2086	केतु 03/07/2094	शुक्र 26/02/2111	00/00/0000
बुध 02/04/2078	केतु 09/06/2087	शुक्र 02/09/2095	सूर्य 21/01/2112	00/00/0000
केतु 08/08/2078	शुक्र 06/02/2089	सूर्य 08/01/2096	चंद्र 22/07/2113	00/00/0000
शुक्र 09/08/2079	सूर्य 08/08/2089	चंद्र 08/08/2096	मंगल 09/08/2114	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि की कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति की आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगीं। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगी। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगी। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगी।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगी। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़ी भाग्यशाली होंगी।

आप गौरवर्ण की लम्बी दीर्घकाय महिला होंगी। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगी। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरुद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाली पेटू महिला हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपकी सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगी। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग की अनुगामी होंगी।

आप अपने पति के प्रति पूर्णतः समर्पित महिला है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करती हैं। आप निःसन्देह अपने पति से प्यार करती हैं। परन्तु आप बाहरी मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहती ताकि अपने पति के साथ कोई गलती न हो जाए। आपके

लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपने पति के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़के के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्व निर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होती हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।